रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया बैंक अधिकारी

सीबीआई की कार्रवाई से मचा हड़कंप

बैंकिंग कियोस्क की अनुमति दिलाने के बदले मांगी थी 10 हजार रुपए की रिश्वत

शहडोल, देशबन्धु। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जबलपुर इकाई ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शहडोल क्षेत्रीय कार्यालय में पदस्थ एक सहायक प्रबंधक को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बैंकिंग कियोस्क संचालन की अनुमति दिलाने के एवज में रिश्वत मांगने की शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई कर आरोपी को धर दबोचा। कार्रवाई के बाद बैंक कार्यालय और आरोपी के निवास पर भी जांच की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहडोल निवासी दीपेंद्र सिंह ने क्षेत्र में चार बैंकिंग कियोस्क संचालित करने के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि आवेदन को स्वीकृति दिलाने और संबंधित प्रक्रिया पूरी कराने के बदले बैंक के सहायक प्रबंधक ने 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। आवेदक ने कई बार संपर्क करने के बावजूद काम नहीं होने और लगातार रिश्वत मांगे जाने से परेशान होकर सीबीआई जबलपुर में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामले का सत्यापन किया। प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर विशेष टीम गठित कर ट्रैप की योजना बनाई गई। तय रणनीति के तहत गुरुवार को शिकायतकर्ता को रिश्वत की राशि लेकर बुलाया गया। बताया गया कि बैंक कार्यालय के समीप गुरुद्वारे के पास आरोपी ने जैसे ही शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपये लिए, पहले से निगरानी कर रही सीबीआई टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद सीबीआई अधिकारियों ने आरोपी से पूछताछ की तथा उसके कब्जे से संबंधित दस्तावेज और अन्य साक्ष्य एकत्र किए। जांच एजेंसी ने बैंक कार्यालय के साथ-साथ आरोपी के निवास पर भी तलाशी अभियान चलाया। सूत्रों के अनुसार आरोपी अधिकारी मूल रूप से ग्वालियर का निवासी है और वर्तमान में शहडोल में पदस्थ था। सीबीआई की इस कार्रवाई से बैंकिंग महकमे में हड़कंप मच गया है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी द्वारा इस प्रकार की अवैध वसूली के अन्य मामले भी तो नहीं हैं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

नशीली कफ सिरप के साथ किशोर पकड़ा गया

आईफोन और बाइक भी जब्त

शहडोल, देशबन्धु। जिले में मादक पदार्थों एवं प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत धनपुरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक किशोर को नशीली कफ सिरप के साथ पकड़कर उसके कब्जे से मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल भी जब्त की है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना धनपुरी प्रभारी निरीक्षक खेमसिंह पेन्द्रो के नेतृत्व में गठित टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नरगड़ा नाला स्थित मुक्तिधाम के पास एक युवक प्रतिबंधित कफ सिरप की बिक्री के लिए मौजूद है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर कार्रवाई की और एक विधि-विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से कुल 15 बोतल नशीली कफ सिरप बरामद की गई, जिनमें 8 बोतल ओनेरेक्स (ह्हश्वक्रश्वङ्) तथा 7 बोतल कैंडीकफ (छ्रह्-छ्ठ्ठ्ठ्यस्त्र) शामिल हैं। जब्त कफ सिरप की अनुमानित कीमत करीब 2,740 रुपये बताई गई है। इसके अलावा एक एप्पल आईफोन-15 तथा बिना नंबर की होंडा लिवो मोटरसाइकिल भी बरामद की गई, जिनकी कुल कीमत लगभग 80 हजार रुपये आंकी गई है। बरामद सामग्री के आधार पर थाना धनपुरी में एनडीपीएस एक्ट एवं मध्यप्रदेश ड्रग कंट्रोल अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। इसके बाद किशोर को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस कार्रवाई में एसडीओपी धनपुरी विकाश पाण्डेय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी खेमसिंह पेन्द्रो, उपनिरीक्षक भूपेन्द्र सिंह, भारत सिंह, प्रधान आरक्षक दिनेश सिंह, शैलेन्द्र सिंह राठौर, रामनाथ बांधव, आरक्षक अमित सिंह, जयप्रकाश एवं राघवेन्द्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सार-समाचार

मरिया-ताला मार्ग पर कटे साइड शोल्डर, चालकों को परेशानी

उमरिया, देशबन्धु। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के प्रमुख पहुंच मार्ग उमरिया-ताला रोड पर सड़क के साइड शोल्डर कट जाने से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। इन कटे हुए शोल्डर और सड़क किनारे बने गड्ढों के कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे कई लोग घायल भी हुए हैं। यह मार्ग परासी मोड़ से ताला तक फैला है और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व पहुंचने का मुख्य रास्ता है। इस पर प्रतिदिन देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों का भी आवागमन रहता है। सड़क के दोनों ओर शोल्डर कट जाने से बड़े वाहनों को सड़क से उतारने में दिक्कत होती है, जबकि दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक साबित हो रही है।

बाइक उतारते या दोबारा चढ़ाते समय पहिया फंस जाता-स्थानीय निवासी और बाइक सवार रामभजन ने बताया कि सड़क से बाइक उतारते या दोबारा चढ़ाते समय पहिया कटे हुए हिस्से में फंस जाता है, जिससे चालक गिरकर घायल हो जाते हैं। उन्होंने इस समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है। इस मामले को लेकर एमपीआरडीसी के संभागीय प्रबंधक अवधेश स्वर्णकार ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क के साइड शोल्डर की मरम्मत जल्द ही कराई जाएगी। संबंधित ठेकेदार को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। स्वर्णकार ने आश्वस्त किया कि मार्ग को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए आवश्यक सुधार कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरे किए जाएंगे।

अवैध रेत परिवहन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित लाखों का माल जब्त

शहडोल, देशबन्धु। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पपौंध पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक शहडोल के निर्देश पर जिले भर में अवैध खनिज कारोबार के विरुद्ध लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में 8 जून 2026 को पपौंध थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सोन नदी के दुअरा क्षेत्र से अवैध रूप से रेत निकालकर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई और ग्राम नई बस्ती पड़री तिराहा के समीप घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोक लिया। जांच के दौरान पुलिस ने बिना नंबर के नीले रंग के सोनालिका ट्रैक्टर एवं रेत से भरी ट्रॉली को अपने कब्जे में लिया। वाहन चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम जितेन्द्र मिश्रा (27 वर्ष) निवासी ग्राम जमुनी, थाना पपौंध, जिला शहडोल बताया। पुलिस द्वारा रेत परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज एवं ट्रांजिट पास (टीपी) की मांग की गई, लेकिन चालक कोई भी अधिकृत दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। दस्तावेजों के अभाव में पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित अवैध रेत को जब्त कर लिया। जब्त रेत की अनुमानित कीमत करीब 3 हजार रुपये तथा ट्रैक्टर-ट्रॉली की कीमत लगभग 3 लाख रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान वाहन एवं खनिज सामग्री को विधिवत जप्त कर थाना परिसर लाया गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2), 317(5), मध्यप्रदेश खान एवं खनिज अधिनियम की धारा 4/21 तथा मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सूचना

शहडोल जिले के धनपुरी, बुढ़ार, अमलई, सिंगपुर, गुहपारू, खन्नौदी में विज्ञापन, समाचार व अखबार की एजेंसी के लिये संपर्क करें।

आशीष कचेर-मो. 9479707671

कार्यालय- दैनिक देशबन्धु

न्यू मार्केट शहडोल म.प्र.

कबाड़ की आड़ में अवैध लोहा परिवहन का खुलासा

9.31 लाख की संपत्ति जब्त

शहडोल, देशबन्धु। जिले के सोहागपुर क्षेत्र में पुलिस ने अवैध कबाड़ एवं लोहे के परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की है। पुलिस की सतर्कता से कबाड़ की आड़ में ले जाई जा रही संदिग्ध लोहे की खेप पकड़ी गई, जिसे जबलपुर ले जाने की तैयारी थी।

पुलिस को कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि सोहागपुर निवासी एक कबाड़ कारोबारी द्वारा मेटाडोर वाहन में भारी मात्रा में अवैध लोहा एवं कबाड़ सामग्री लोड कर परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने पाली रोड स्थित आकाशवाणी केंद्र और मुड़ना नाला के बीच घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोक लिया। जांच के दौरान वाहन चालक ने अपना नाम रूप सिंह पाल (51 वर्ष), निवासी मालवीगंज, इटारसी जिला नर्मदापुरम बताया। वाहन की तलाशी लेने पर गत्तों और अन्य सामान के नीचे छिपाकर रखे गए ट्रैक्टर के विभिन्न पुर्जे, पुराना कल्टीवेटर, बिजली के तार, लोहे के एक्सल सहित बड़ी मात्रा में कबाड़ सामग्री बरामद हुई।

पुलिस के अनुसार जब्त सामग्री का कुल वजन लगभग 1,746 किलोग्राम है, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 21 हजार 720 रुपये आंकी गई है। वहीं परिवहन में प्रयुक्त मेटाडोर वाहन और मोबाइल फोन सहित कुल 9 लाख 31 हजार 720 रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की गई है।

कार्रवाई के बाद आरोपी चालक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। मामले में संलिप्त अन्य दो संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि अवैध कारोबार से जुड़े नेटवर्क की भी जांच की जा रही है तथा जल्द ही अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

चाचा ने किया भतीजे का अपहरण, फिरौती में मांगे 5 हजार रुपए, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बच्चे को छुड़ाया

उमरिया, देशबन्धु। जिले के बिरसिंहपुर पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत घुनघुटी चौकी के बलवई गांव में एक बच्चे के अपहरण का मामला सामने आया है। बच्चे का अपहरण उसके ही चाचा ने किया था, जिसने परिजनों से पांच हजार रुपए की फिरौती मांगी थी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आर

घुनघुटी पुलिस चौकी क्षेत्र में हुई घटना-जानकारी के अनुसार, यह घटना 8 जून की है। बलवई गांव निवासी राकेश अपने घर के बाहर खेल रहा था, तभी वह अचानक लापता हो गया। परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

जांच के दौरान बच्चे की मां के पास उसकी बुआ सास के लड़के का फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि राकेश उसके पास है। जब परिजनों ने बच्चे का पता पूछना चाहा तो उसने फोन काट दिया। 10 जून की दोपहर आरोपी ने दोबारा फोन कर बच्चे को सुरक्षित घर पहुंचाने के बदले पांच हजार रुपए की मांग की।

आरोपी को कोर्ट ले जाता पुलिसकर्मी-ग्राम हर्रई से आरोपी गिरफ्तार एसडीओपी एसबी बोहित ने बताया कि फिरौती की सूचना मिलते ही पुलिस ने एक विशेष टीम गठित कर बच्चे की तलाश शुरू की। सघन तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने हरिओम अगरिया (26) निवासी ग्राम हर्रई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बच्चे को भी सुरक्षित बरामद कर लिया।

बेटियों ने लगाए हरियाली के बीज

पौधरोपण के साथ स्वच्छता का दिया संदेश

शहडोल, देशबन्धु। पर्यावरण संरक्षण और बालिकाओं के स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम पोंगरी (परियोजना सोहागपुर) में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में किशोरी बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर प्रकृति को संवारने का संकल्प लिया, वहीं माहवारी स्वच्छता को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में किया गया। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन परिसर में छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि उपस्थित सभी किशोरी बालिकाओं ने स्वयं पौधे लगाकर उनकी देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया।

एनटीपीसी विंध्याचल में उत्तरा महिला क्लब की अध्यक्ष सीमा कौशिक ने सुहासिनी संघ की गतिविधियों का लिया जायजा

सिंगरौली, देशबन्धु। एनटीपीसी विंध्याचल के प्रवास के दौरान उत्तरा महिला क्लब की अध्यक्षा सीमा कौशिक ने सुहासिनी संघ की विभिन्न गतिविधियों एवं जनकल्याणकारी पहलों की समीक्षा की तथा महिला क्लब की सामान्य सभा की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उनका स्वागत निशी सिन्हा, प्रभारी, वेलफेयर विंग, सुहासिनी संघ तथा महिला क्लब की वरिष्ठ सदस्यों द्वारा किया गया।

अपने दौरे के दौरान श्रीमती कौशिक ने सुहासिनी संघ द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की और सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता की सराहना की। उनके सम्मान में सुहासिनी संघ,बाल भवन एवं वेलफेयर विंग के सदस्यों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ एक भावपूर्ण गीत-संगीत प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर आयोजित पट्टचित्र कार्यशाला के प्रतिभागियों को भी श्रीमती कौशिक द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों की रचनात्मकता, उत्साह एवं भारतीय पारंपरिक कला के संरक्षण हेतु उनके प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक संरक्षण एवं सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में सुहासिनी संघ की सतत प्रतिबद्धता का एक प्रेरणादायी उदाहरण रहा।

मृत महिला के परिवार को 17 लाख रुपए मिले, उमरिया में 17 दिन बाद मिली मदद, बाघ के हमले में महिला की जान गई थी

उमरिया, देशबन्धु। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर परिक्षेत्र अंतर्गत खेरवा टोला में बाघ के हमले में जान गंवाने वाली महिला के परिजन को 17 दिन बाद बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री राहत कोष से 17 लाख रुपए की सहायता राशि मृतका के परिजनों के खाते में पहुंच गई है

यह राशि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषित कुल 25 लाख रुपए की सहायता का ही हिस्सा है। इससे पहले, वन विभाग की ओर से 8 लाख रुपए की मुआवजा राशि 25 मई को ही परिजन को दी जा चुकी थी। महिला की मौत 24 मई को बाघ के हमले में हुई थी।

मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाली 17 लाख रुपए की यह राशि 15 दिन से ज्यादा समय तक अटकी रही थी। इस लापरवाही के चलते खबर सामने आने के महज चार दिन बाद ही प्रशासनिक प्रक्रिया में तेजी आई और बुधवार को बची हुई 17 लाख रुपए की राशि भी मृतका के परिजन के खाते में ट्रांसफर कर दी गई।

प्रक्रियाओं को सरल बनाने की मांग-इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि वन्यजीव प्रभावित परिवारों को समय पर मदद मिल सके, इसके लिए सरकारी प्रक्रियाओं को और ज्यादा सरल व आसान बनाया जाना चाहिए।

30 किमी पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीण सड़क, पुल और पानी देने की मांग की, बोले-कई गांवों में रोड नहीं बनी

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया जिले के कौड़िया गांव और आसपास के इलाकों के सैकड़ों ग्रामीणों ने सड़क, पुल, पीने के पानी और पेंशन जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर जन आक्रोश यात्रा निकाली। ग्रामीण तपती धूप में करीब 30 किलोमीटर पैदल मार्च करते हुए उमरिया कलेक्ट्रेट पहुंचे और ग्रामीणों ने कहा कि देश की आजादी के इतने दशकों बाद भी उनके कई गांवों आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें कौड़िया से कुदारी पहुंच मार्ग, कौड़िया से सेमराहार मार्ग और घोघरी, करुआझर और अतरिया गांवों में नई सड़कों का निर्माण कराया जाए। चंदिया-कौड़िया मार्ग पर पड़ने वाली मछडार नदी पर एक बड़े पुल का निर्माण किया जाए, ताकि बारिश में रास्ता बंद न हो। नल-जल योजना के तहत गांवों में नियमित रूप से पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित की जाए।

बुजुर्गों और पात्र हितग्राहियों की लंबे समय से रुकी हुई लंबित पेंशन की राशि तुरंत उनके खातों में डाली जाए। ग्रामीणों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, मिला आश्वासन-कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर ग्रामीणों ने एसडीएम अम्बिकेश सिंह को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने के बाद एसडीएम ने आश्वासन दिया कि वे इस संबंध में तुरंत सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से बात करेंगे और समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण कराएंगे। यह किसी दल या जाति की नहीं, आम जनता की यात्रा है।

यात्रा के संयोजक विक्रम सिंह ने बताया कि यह यात्रा किसी राजनीतिक दल, जाति या विशेष वर्ग की नहीं है। यह उन आम ग्रामीणों की बुलंद आवाज है, जो सालों से बुनियादी सुविधाओं के बिना रहने को मजबूर हैं। जब ग्रामीण इस भीषण धूप में 30 किलोमीटर पैदल चलकर अपनी बात रखने आए हैं, तो प्रशासन को उनकी तकलीफ और समस्याओं की गंभीरता को समझना होगा।

ग्रामीणों ने दो-टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने उनकी इन जायज मांगों पर जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए, तो वे आगे और बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

खरला गांव में 20 दिन से ट्रांसफॉर्मर खराब, बिजली न होने से मोटर पंप बंद

मोबाइल चार्ज के लिए दूसरे गांव जा रहे ग्रामीण

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल जिले के बुढ़ार क्षेत्र अंतर्गत खरला गांव के ग्रामीण करीब 20 दिनों से गंभीर बिजली संकट का सामना कर रहे हैं। गांव का बिजली ट्रांसफॉर्मर जल जाने के कारण बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। अब तक नया ट्रांसफॉर्मर नहीं लगाया गया है।

ग्रामीण राम प्रसाद यादव ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर खराब होने की सूचना बिजली कंपनी को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ उपभोक्ताओं के बिजली बिल बकाया होने के कारण विभाग ट्रांसफॉर्मर बदलने में देरी कर रहा है, जिसका खामियाजा पूरे गांव को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीण सीताराम कोल ने जानकारी दी कि बिजली न होने से मोटर पंप बंद पड़े हैं, जिससे पानी की समस्या बढ़ गई है। लोगों को दूर-दराज के हैंडपंपों से पानी लाना पड़ रहा है। वहीं, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को गर्मी के कारण सबसे अधिक परेशानी हो रही है। गांव की निवासी फूलवती बाई ने बताया कि रात के समय पूरा गांव अंधेरे में डूबा रहता है। बिजली न होने से पंखे और कूलर बंद हैं, जिससे लोगों की रातें जागकर कट रही हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। एक अन्य ग्रामीण राजेश सिंह ने बताया कि मोबाइल चार्ज करने के लिए भी लोगों को दूसरे गांव जाना पड़ रहा है।